अहिलउ जुओ अहलौ अहिलास शुंगामं. अभिलाष, इच्छा अहिलोक सिंहा(म). जगत, इहलोक अहिवर जुओ अहिधर अहिवा उक्तिर. विधवा (सं.अधवा) अहिवि जुओ अहवि **अही** चित्तमं सर्प अहीअं वाग्भवा. अहीं [सं.अस्मिन्] **अहीआसइ ***उपवा. ऋषिरा. सहन करे (सं.अधि+आस्); जुओ अहियासने **अहीआसणहार** * उपवा. [सहन करनार] अहीणुं उक्तिर. गाय वगरनुं (सं.अधेनुकम्) **अहींकणि** कादं(शा.) *अहीं नजीकमां, [अहींयां] (सं अस्मिन्+*कर्णस्मिन्) अहुण, अहुंण, अहुण उक्तिर. वेताप. हमणां; आ काळे, ओण (सं.अधुना) **अहरणी** कस्तुवा. वेताप. सिंहा(शा). ऋण-मुक्त, (सं.उत्+ऋण) अहंण जुओ अहुण अह्ठ गुर्जरा. चारफा. प्राचीफा. प्रेमाका. षडाबा. ऊंठ, साडा त्रण (सं.अर्धचतुर्थ) अहूण जुओ अहुण अहे प्राचीफा. हवे (सं.अथ) **अहेडइ** *गुर्जरा*. शिकारमां (सं.आखेटक) अहेडी जुओ अहिडी अहेनश जुओ अहिनशे अहेंली सिंहा(शा). हेली. [निरंतर वर्षा] **अह्य** लावल. वसंवि. अमारुं; गुर्जरा. अमे (सं.अस्मद्) **अहरुपहरु** कादं(शा). आसपास, आमतेम

(सं.आरात्-परतः) अंक कादं(ध्रु). चिह्न, अभिज्ञान [सं.] **अंक भरतां *** *नरका*. [आलिंगन लेतां] [हिं.] अंकुरियइ गुर्जरा. अंकुरित थाय **अंकुल** तेरका. अंकोलवृक्ष अंके * नरका. [निश्चित, खरेखर] अंकोर अखाका. अखेगी. दशस्कं(१). नरका. प्रेमाका. अंकुर; नंदब. सिंहा(शा). अंकुर, मूळ, मर्म, रहस्य, भेद अंकोल उक्तिर. ए नामनुं वृक्ष, अंकोठ अंखि गुर्जरा. आंख (सं.अक्षि) अंखी लावल. जोईने [सं.अक्ष] अंग आरारा. ऐतिका. जैन अंग-शास्त्रो: आरारा. प्रकारो: उक्तिर. अंगदेश अंगड वीसरा. अंग, भाग अंगडवंग ऐतिराः अंग अने उपांग नामनां जैन शास्त्रो]; जुओ अंगोवंग अंगओलगूं नलरा. *अंगरक्षक, अंग-सेवको अंगचेन कामा(शा). अंग उपरनां लक्षणो [सं.अंग+चिह्न] अंगण तेरका. लावल. आंगण् सि.] अंगद वसंफा. बाजुबंध, कांडा परनुं कडुं (सं.) **अंगन्यास** प्रेमाक:. शरीरनां जुदांजुदां अंगोने हाथथी स्पर्शी ते-ते अंगमां मंत्रन्ं आरोपण करवानो विधि सिं.] अंगरखी उक्तिर. प्रेमाका. हम्मीप्र. अंगनुं शरीरनं रक्षण करनार, बख्तर (सं. अंगरक्षिका) **अंगरेची** *ह्रस्तस*, अंग्रेज